एक वर्ग ने 10+2 पद्धति के कार्यान्वयन से उत्पन्न कुछ कठिनाईयों पर असन्तोष व्यक्त किया है। ये मुख्य रूप से पाठ्य-पुस्तकों की अनुपलब्धता तथा पाठ्यचर्या विषय वस्तु की देरी से उपलब्धता से संबंधित हैं।

छात्रों को कठिनाईयों को दूर करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये गये हैं :—

कक्षा XII की परीक्षा के लिए कुछ विषयों को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पाठ्यचर्या तथा पाठ्य-पुस्तकों के कुछ अंश हटाकर और केन्द्रीय माध्यमिक बोर्ड परीक्षा, 1979 को लगभग पंद्रह दिन स्थगित करके। एक दीर्घावधि उपाय के रूप में यह भी निश्चय किया गया है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् की कक्षा XI और XII पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्य-पुस्तकों की सूची की सिफारिश करेगा ताकि छात्रों को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् की पाठ्य-पुस्तकों की देरी से उपलब्धता के कारण कठिनाई न हो। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् स्कूलों से मांग प्राप्त होने पर उन्हें सीधे ही पाठ्य-पुस्तकों की आपूर्ति भी करेगी।

बीमारी के आधर पर टेलीफोन के कनेक्शनों के लिए आवेदन पत्र

1906. श्री सूरत कार :

श्री रामदेव सिंह :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1978-79 के दौरान खुर्शीद लाल भवन, जनपथ नयी दिल्ली स्थित टेलीफोन मुख्यालय को बीमारी के आधार पर छह महीने के लिए टेलीफोन कनेक्शन देने हेतु बड़ी संख्या में आवेदन पत्र मिले हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनमें से छः महीने के लिए टेलीफोन कनेक्शन देने के लिए कुल कितने आवेदन पत्र स्वीकृत हुए हैं ; और

(ग) उनमें से कुल कितने ऐसे आवेदन पत्र अस्वीकृत किए गए हैं जिन पर बीमारी के आधार पर छः महीने के लिए टेलीफोन कनेक्शन दिये जाने चाहिए थे तथा इसके क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरी प्रसाद सुखदेव साय) : (क) जी हां।

(ख) तारीख 1-4-78 से 31-1-79 के बीच करीब 1250 अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन दिए गए। इनमें से अधिकांश बीमारी के आधार पर ही दिए गए थे।

(ग) संबंधित टेलीफोन एक्सचेंजों में अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होने पर बीमारी के आधार पर टेलीफोन कनेक्शन मंजूर किए जाते हैं। बशर्ते कि जहां टेलीफोन अपेक्षित है उस सीमा क्षेत्र के लिए केबल पेयर्स भी उपलब्ध हों। यह कहना कठिन है कि कितने मामलों पर विचार नहीं किया गया, कारण इस प्रकार के आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

Management of Sugar Mills taken over by Government

1907. SHRI B. K. NAIR:

SHRI M. RAM GOPAL REDDY:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) the complete list, as of date, of the sugar mills the managements of which have been taken over by the Government under the new Act;

(b) the arrears of cane prices owed by the respective managements to the cane-growers at the time of take over and the amounts, if any, outstanding as of date; and

(c) the steps taken by Government to realise from the managements the arrears owed and still outstanding?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) and (b). The names of the sugar undertakings taken over by the Government and the amount of cane arrears owed by the respective